हे शिव शंकर डमरू वाले तेरा रूप निराला

हे शिव शंकर डमरू वाले तेरा रूप निराला,
जय शंकर भोले,
जय शम्बू भोले,
बम बम भोले तू है शिव भोले,
जटाउथारी तू है त्रिपुरारी,

तू कैलाश दा वासी तनु कहन्दे ने त्रिपुरारी,
गाल विच नाग जटा विच गंगा सूरत बड़ी प्यारी,
भाव सागर तो कुल दुनिया न एह पार लगवान वाला,
जय शंकर भोले,
जय शम्बू भोले,
बम बम भोले तू है शिव भोले,
जटाउथारी तू है त्रिपुरारी,

हे गोरा दे पति वे तेरी बात बड़ी निराली,
जो भी तेरे दर ते आवे भरता झोली खाली,
नाम तेरे दा मैं पी जावा भर के शंकर प्याला,
जय शंकर भोले,
जय शम्बू भोले,
बम बम भोले तू है शिव भोले,
जटाउथारी तू है त्रिपुरारी,

राजू भी हरी पूरियां आवे द्वार चाडवे लस्सी,
शिव शंकर तेरी महिमा देखो कण कण दे विच वसी,
कुज न लुकदा तेरी आँख तो ना कोई छुपावन वाला.
जय शंकर भोले,
जय शम्बू भोले,
बम बम भोले तू है शिव भोले,
जटाउथारी तू है त्रिपुरारी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4773/title/he-shiv-shankar-damru-vale-tera-roop-nirala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |